VOLDME XXVII．

| VOLUME XXVII． |  | don，ontario， | RDAY，ALGUST 121905 |  | － 1399 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| The ©atholic zetero． <br> Lomdon，Saturday，Aug．12， 1905. |  |  |  | ighteousness，but who is really a hypo－ |  |
|  |  |  |  |  |  |
| ANOTHER PIoture ExPrected． |  |  |  |  | tune may be a great task it is the only safety valve to happiness for the man who is encumbered with wealth．＂ |
|  |  |  |  |  | gentral intention for |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | blindly accepted and he is castingabout for anything to which he can |  |  |  |
|  |  |  |  |  | Remeteme |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | 隹 |  |  |
|  |  |  |  | owned one share in a while the directorate of the thous－and shares committed a financial crime |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | （e） |  |  |  |
|  |  | and |  | Ukity |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | picture of marble white purity． ＂I have beheld the eternal eity in all its prophetic grandeur，have viewed |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | dhe |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | calling；not a mean and grovelingthing，that we are to shuflle through aswe can，but an elevated asd lofty | pressed on me and stamped on the retina of my mind＇s eye is the grand add gentle Pius X．，and the miracle of |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | CARDINAL GIBBONS＇VIEWS． TALKS on GREAT AOCUMCLATIONS of WEALTH． |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | $\begin{aligned} & \text { that this particular tavern was opened } \\ & \text { in } 1663 \text {, the only wearer of the scarlet } \\ & \text { biretta in America lounging away the } \\ & \text { brilliant wind swept summer days. } \end{aligned}$ |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | Stat |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | lection of men interested in ose money－ making concern，there is sure to be corruption．It is not a new story．It |  |  |
|  |  |  |  |  | 为 |
|  |  |  |  |  | ateme |
|  |  |  |  | churchman would not sanction in this country is a matter of common know－ ledge．＂ | Sesma |
|  |  |  |  |  | and so it is，to be honest，reverent chaste． |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | Sex |  |
|  |  |  | Staty |  |  |
|  |  |  |  | 仡 |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |


| LOME XXVII． |  | don，ontario，Satur | URDAY，ALGUST 121905 |  | 1399 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| The Catholic zecoro． |  |  |  | $\begin{array}{l\|l} \text { righteousness, but who is really a hypo- } & \text { hang } \\ \text { crite. } \\ \text { poor } \\ \text { "The shattering of idols, has of late } & \text { " } \end{array}$ |  |
|  |  |  |  |  |  |
| Anotrer Ploture expecteo． |  |  |  |  |  |
| ANe tuans．sumeneriter tor |  |  |  |  |  |
| deatione | denm |  |  |  |  |
| oneo | Seme |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | and |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| HBITION OF BITTER | motar |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | between the good life of a pagan and that of a Ohristian，and the honest pagan often s．ppreciates this difference |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| 20 |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| mate hare tean |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | spiritual vitality and vigor of soulsapparently dead to or unequal to betterthings．All this he admits as extra－ordinary，but it never oceurs to him |
| ma |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | ordinary，but it never occurs to him that it ean be accounted for only by supernatural inflnences．Toappreciate this explanation supposes faith，and |
|  |  |  |  |  |  |
| to |  |  | mat motaree |  |  |
|  |  |  | Hex |  |  |
|  |  |  |  |  | $\begin{aligned} & \text { to observe one's daties toward men, } \\ & \text { but how deplorably defective is the } \\ & \text { reason which ascepts such duties and } \\ & \text { yet refuses to admit, any sense of duty } \\ & \text { toracity, truthfulvess. } \end{aligned}$ |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| $i i_{\text {inen }}^{\text {hen }}$ |  | dem |  |  |  |
| der |  |  |  |  | implies all that is best in the natural virtues and uplifts and consecrates it ail by the aid of the supernatural vir－ tue and so it is，to be honest，reverent |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | our advantage in ever so many ways．TheChristian law enjoins them also，at thesame time that it enlightens us to know |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | stitutes the personal model，Christ； it supplies through the Sacraments the very life and vigor of soul needed to |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | tiol | arememe |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | 边 |
|  |  |  |  |  |  |
| minations，and tive unduap prominere |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | Sels |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | 退 |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | do． |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |

## Clye Tatholir Reeard．

